Badal Saraswat
@badal_saraswat • Feb 5, 2021 • 65 tweets

Share Twitter Download

#काँग्रेस_के_कुकर्म और #दिल्ली_का_धृष्टराज

☝️ मेरे एक बात समझ में नहीं आती #काँग्रेसियों_की_मालकिन😠 #एंटोनियो_माइनो💀 #इटली और #रूस की 'खुफिया एजेंसी"के लिए काम करती थी और आज तो #चीन,#पाकिस्तान जैसे देशों के लिए ये पूरा #चोर,#लुटेरा,#हत्यारा,#धोखेबाज...

पूरा पढ़िये 👇👇👇

तो क्या केजरीवाल की यासीन मलिक से दोस्ती की कीमत चुकाएगा देश
सवाल
संबिधान को ताक पर रखकर दिल्ली में रेफरेंडम करवाने के पीछे क्या है केजरी की मंशा?
क्या केजरी के इस कुकृत्य से अलगाववादियों को संजीवनी नहीं मिलेगी?
रेफरेंडम या कुछ और?

#ख़ानदान😠😠😠काम आज भी करता है...
लेकिन हमारे #देश_की_जनता को कुछ #दिखाई नहीं देता क्यों???😠😠😠

☝ अब #दिल्ली_का_धृष्टराज @Arvind Kejriwal 😠 भी अमेरिका का #CIA एजेंट है😠😠
👉मैंने एक थ्रैड में जिक्र किया था कि कोई भी देश दूध का धुला हुआ नहीं है,सभी को #विश्व_शक्ति के रूप में

उभरकर #सर्वश्रेष्ठ दिखना है,चाहे #अमेरिका हो,#रूस हो या #चीन हो😠😠😠
☝ लेकिन सबसे बड़ी बात ये है कि हमारे भारत देश के लिए ही क्यों इतने #षड्यंत्र क्यों रचे जाते हैं???😠
☝ इसका सीधा सा जवाब है कि हमारे देश में अर्श से लेकर फर्श तक एक #गद्दार_देशद्रोही ढूँढो, #हजार मिलेंगे😠😠😠

☝ लेकिन सिर्फ हमारी देश की जनता नहीं समझेंगी...
क्योंकि बस फ्री फ्री फ्री मिलता रहे,😠
सब्सिडी मिलती रहे😠सुख सुविधाएं मिलती रहे😠
आलू,टमाटर,प्याज,पेट्रोल,डीजल आदि सस्ता मिलता रहे😠

☝ लेकिन देश को कब ❓ क्या ❓ जरूरत है उससे मतलब नहीं*
सिर्फ अपने निजिस्वार्थ पूरे होने चाहिए😠😠😠

☝ ये तक जानने की कोशिश नहीं करते कि
हमारे देश के साथ और हमारे देश में हो क्या ❓ रहा है ❓ ❓ ❓

☝ क्या आप जानते हैं कैसे ❓ और क्यों ❓ अमेरिका ने केजरीवाल को #सीआईए_एजेंट बनाया था..

☝ वैसे तो हमारे भारत में #FakeTRP_की_भूखीमीडिया😠 और देश में #अराज़कता फैलाने वाले हमारे देश को तोड़ना

चाहते है और ये वही है जिनको हम बखूबी जानते भी हैं😠😠😠
☝ #काँग्रेस_अध्यक्ष "सोनिया गांधी" की #अध्यक्षता वाली एनजीओ गिरोह "#राष्ट्रीय_सलाहकार_परिषद(NAC'ने घोर "सांप्रदायिक और लक्ष्य केंद्रित हिंसा निवारण अधिनियम" का ड्राफ्ट तैयार किया था।
NAC की एक प्रमुख सदस्य #अरुणा_राय के साथ

मिलकर केजरीवाल ने सरकारी नौकरी में रहते हुए NGO की #कार्यप्रणाली समझी और फिर'#परिवर्तन'नामक NGO से जुड़ गया।
केजरी लंबे अरसे तक"राजस्व विभाग"से छुटटी लेकर भी सरकारी तनख्वाह ले रहा था और #NGO से भी वेतन उठा रहा था।
जो"श्रीमान ईमानदार"को कानूनन भ्रष्टाचारी की श्रेणी में रखता है😠

अमेरिकी नीतियों को पूरी दुनिया में लागू कराने के लिए अमेरिकी खुफिया ब्यूरो "सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी"(#सीआईए)अमेरिका की मशहूर कार निर्माता कंपनी "फोर्ड' द्वारा संचालित 'फोर्ड फाउंडेशन' एवं कई अन्य फंडिंग एजेंसी के साथ मिलकर काम करती रही है।
👉1953 में फिलिपिंस की पूरी राजनीति व

चुनाव को #सीआईए ने अपने कब्जे में ले लिया था।

👉#केजरीवाल की ही तरह सीआईए ने उस वक्त फिलिपिंस में"रेमॉन मेग्सेसाय"को खड़ा किया था और उसे #फिलिपिंस का राष्ट्रपति बनवा दिया था।

👉केजरीवाल की ही तरह'रेमॉन मेग्सेसे का भी पूर्व का कोई राजनैतिक इतिहास नहीं था
👉"रेमॉन मेग्सेसाय"के

जरिए ही:-
"#फिलिपिंस की राजनीति को पूरी तरह से अपने कब्जे में करने के लिए अमेरिका ने उस जमाने में प्रचार के जरिए उनका राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय 'छवि निर्माण'से लेकर "नॉसियोनालिस्टा पार्टी"का उम्मीदवार बनाने और चुनाव जिताने के लिए करीब 5मिलियन डॉलर खर्च किया था।"

☝ तत्कालीन #CIA

प्रमुख #एलन_डॉउल्स को निगरानी में इस पूरी योजना को उस समय के सीआइए अधिकारी "#एडवर्ड_लैंडस्ले"ने अंजाम दिया था।
👉इसकी पुष्टि #सन1972 में #एडवर्ड_लैंडस्ले द्वारा दिए गए एक साक्षात्कार में हुई,ठीक केजरीवाल की ही तरह "रेमॉन मेग्सेसाय" की ईमानदार छवि को गढ़ा गया और 'डर्टी ट्रिक्स' के

जरिए विरोधी नेता और #फिलिपिंस के तत्कालीन राष्ट्रपति '#क्वायरिनो'की छवि धूमिल की गई थी।

☝ यह प्रचारित किया गया कि #क्वायरिनो भाषण देने से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए #ड्रग का उपयोग करते हैं।
👉रेमॉन मेग्सेसाय की 'गढ़ी गई ईमानदार छवि' और #क्वायरिनो की "कुप्रचारित छवि😠 ने

"रेमॉन मेग्सेसाय"को दो तिहाई बहुमत से जीत दिला दी और अमेरिका अपने #मकसद में कामयाब रहा था।

☝ भारत में इस केजरीवाल बनाम अन्य राजनीतिज्ञों की बीच अंतर दर्शाने के लिए छवि गढ़ने का जो प्रचारित खेल #काँग्रेस😠के सहयोग से चल रहा है वह
"अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए"द्वारा अपनाए गए तरीके

और प्रचार से आज भी बहुत कुछ मेल खाता है।
👉इसीलिए आजकल #विज्ञापन पर #विज्ञापन उसी श्रेणी का एक हिस्सा ही है😠

☝ 'रेमॉन मेग्सेसाय'के नाम पर #एशिया में अमेरिकी नीतियों के पक्ष में माहौल बनाने वालों,वॉलेंटियर तैयार करने वालों, अपने देश की नीतियों को अमेरिकी हित में प्रभावित करने

वालों,भ्रष्टाचार के नाम पर देश की चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने वालों को 'फोर्ड फाउंडेशन' व 'रॉकफेलर ब्रदर्स फंड'मिलकर अप्रैल 1957 से 'रेमॉन मेग्सेसाय'अवार्ड प्रदान कर रही है।"

👉'आम आदमी पार्टी'का संयोजक #केजरीवाल और इसके साथी व 'आम आदमी पार्टी'का ही #मनीष_शिशोदिया को भी वही

'रेमॉन मेग्सेसाय'पुरस्कार मिला और #सीआईए के लिए फंडिंग करने वाली उसी 'फोर्ड फाउंडेशन' के फंड से इनका एनजीओ '#कबीर'और'#इंडिया_अगेंस्ट_करप्शन' मूवमेंट खड़ा हुआ।

☝ भारत में राजनैतिक अस्थिरता के लिए एनजीओ और बहुत से #FakeTRP_के_भूखे_मीडिया_चैनलों में विदेशी फंडिंग आज

भी हो रही है😠

👉'फोर्ड फाउंडेशन' के एक अधिकारी #स्टीवन_सॉलनिक के मुताबिक "#कबीर को फोर्ड फाउंडेशन की ओर से

👉वर्ष 2005 में (1 लाख 72 हजार डॉलर)एवं
👉वर्ष 2008 में 1 लाख 97 हजार अमेरिकी डॉलर का फंड दिया गया।"
👉यही नहीं,"#कबीर' को #डच_दूतावास"से भी मोटी रकम फंड के रूप में मिली।

☝ अमेरिका के

साथ मिलकर #नीदरलैंड भी अपने दूतावासों के जरिए दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में अमेरिकी-यूरोपीय हस्तक्षेप बढ़ाने के लिए वहां की "गैर सरकारी संस्थाओं" यानी #एनजीओ को जबरदस्त फंडिंग करती है।

👉अंग्रेजी अखबार 'पॉयनियर' में प्रकाशित एक खबर के मुताबिक डच यानी नीदरलैंड दूतावास अपनी ही

एक एनजीओ '#हिवोस' के जरिए #मोदीजी की "गुजरात सरकार"को अस्थिर करने में लगे हुए थे, विभिन्न भारतीय एनजीओ को अप्रैल 2008 से 2012 के बीच लगभग"13 लाख यूरो"मतलब करीब सवा नौ करोड़ रुपए की फंडिंग कर चुकी थे।

इसमें एक #केजरीवाल का एनजीओ भी शामिल था
👉#हिवोस' को फोर्ड फाउंडेशन भी फंडिंग

करती है।
"डच एनजीओ '#हिवोस' दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में केवल उन्हीं #एनजीओ को फंडिंग करती है,
👉जो अपने देश व वहां के राज्यों में अमेरिका व यूरोप के हित में राजनैतिक अस्थिरता पैदा करने की क्षमता को साबित करते हैं।
👇
इसके लिए मीडिया हाउस को भी जबरदस्त फंडिंग की जाती है। एशियाई

देशों की मीडिया को फंडिंग करने के लिए अमेरिका व यूरोपीय देशों ने '#पनोस'नामक संस्था का गठन कर रखा है।

☝ दक्षिण एशिया में इस समय'पनोस'के करीब आधा दर्जन कार्यालय काम कर रहे हैं।
'पनोस' में भी फोर्ड फाउंडेशन का पैसा आता है।
बताया जाता रहा है कि केजरीवाल के मीडिया उभार के पीछे भी

इसी '#पनोस' के जरिए '#फोर्ड फाउंडेशन' की फंडिंग काम कर रही थी।

☝ 'सीएनएन-आईबीएन' व 'आईबीएन-7'चैनल का प्रधान संपादक #राजदीप_सरदेसाई😠 @Rajdeep Sardesai
'#पॉपुलेशन_काउंसिल' नामक संस्था का सदस्य है,

👉जिसकी फंडिंग अमेरिका की वही 'रॉकफेलर ब्रदर्स' करती है जो 'रेमॉन मेग्सेसाय'

पुरस्कार के लिए 'फोर्ड फाउंडेशन' के साथ मिलकर फंडिंग करती है।
माना जाता रहा है कि '#पनोस'और '#रॉकफेलर_ब्रदर्स_फंड' की फंडिंग का ही कमाल है कि #बिकाऊ_राजदीप_सरदेसाई😠का अंग्रेजी चैनल 'सीएनएन-आईबीएन' व हिंदी चैनल'आईबीएन-7'न केवल केजरीवाल को '#गढ़ने'में सबसे आगे रहे थे और आज भी हैं,

👉बल्कि 21 दिसंबर 2013 को 'इंडियन ऑफ द ईयर' का पुरस्कार भी उसे प्रदान किया।

☝ 'इंडियन ऑफ द ईयर' के पुरस्कार की प्रयोजक कंपनी '#जीएमआर' भ्रष्टाचार में घिरी है,'जीएमआर' के स्वामित्व वाली 'डायल' कंपनी ने देश की राजधानी दिल्ली में "इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा"विकसित करने

के लिए #UPAसरकार से महज '100रु प्रति एकड़"के हिसाब से जमीन हासिल किया गया😠

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक #CAG ने 17 अगस्त 2012 को संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा था कि
#GMR को सस्ते दर पर दी गई जमीन के कारण सरकारी खजाने को"1 लाख 63 हजार करोड़"रु का चूना लगा है।

👇👇👇

☝ इतना ही नहीं,#रिश्वत देकर #अवैध_तरीके से ठेका हासिल करने के कारण ही #मालदीव_सरकार ने अपने देश में निर्मित हो रहे माले हवाई अड्डा का ठेका #जीएमआर से छीन लिया था।
☝ सिंगापुर की अदालत ने #GMRकंपनी को #भ्रष्टाचार में शामिल दोषी होने का करार दिया था।

☝ कुल मिलकर तात्पर्य यह है कि

👉अमेरिकी-यूरोपीय फंड,भारतीय मीडिया और यहां यूपीए सरकार के साथ घोटाले में साझीदार कारपोरेट कंपनियों ने मिलकर ही केजरीवाल को 'गढ़ा' है।😠😠😠

☝ 'जनलोकपाल आंदोलन'से "#आम_आदमी_पार्टी' तक का शातिर सफर आखिर क्या है ❓
कहाँ चला गया #जनलोकपाल_बिल ❓

आरोप है कि विदेशी पुरस्कार और फंडिंग

हासिल करने के बाद अमेरिकी हित में #केजरीवाल😠 व #मनीष_सिसोदिया😠 ने इस देश को अस्थिर करने के लिए '#इंडिया_अगेंस्ट_करप्शन' का नारा देते हुए 2011 में 'जनलोकपाल आंदोलन' की रूप रेखा खींची थी।

👉इसके लिए सबसे पहले #बाबा_रामदेव का उपयोग किया गया था, ☝ लेकिन रामदेवबाबा इन सभी की मंशाओं

को थोड़ा-थोड़ा समझ गए थे।
👉स्वामी रामदेव के मना करने पर उनके मंच का उपयोग करते हुए #महाराष्ट्र के #अन्ना_हजारे को जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध कई मुहीम में सफलता हासिल करने वाले,अन्ना हजारे को #केजरीवाल😠 ने दिल्ली से उत्तर भारत में '#लॉंच' कर दिया और तब तक जनलोकपाल आंदोलन के बहाने

केजरीवाल 'कांग्रेस पार्टी व विदेशी फंडेड मीडिया' के जरिए देश में प्रमुख चेहरा बन चुका था।😠

👉"जनलोकपाल आंदोलन" के दौरान जो मीडिया अन्ना-अन्ना की गाथा गा रही थी, वो अब 'आम आदमी पार्टी' के गठन के बाद वही मीडिया अन्ना को #असफल साबित करने और #केजरीवाल की महिमा मंडन में जुट गई।😠😠

विदेशी फंडिंग तो अंदरूनी जानकारी है,
☝ लेकिन उस दौर से लेकर आज तक केजरीवाल को प्रमोट करने वाली हर मीडिया संस्थान और पत्रकारों के चेहरे को गौर से याद कीजिये,
👉इनमें से अधिकांश वो हैं,जो कांग्रेस नेतृत्व वाली UPA सरकार के द्वारा अंजाम दिए गए
👉1 लाख 76 हजार करोड़ के #2G_स्पेक्ट्रम

👉 1 लाख 86 हजार करोड़ के #कोल_स्कॉम_आवंटन

👉1 लाख 86 हजार करोड़ के #कोल_ब्लॉक_आवंटन,
👉70 हजार करोड़ के #कॉमनवेल्थ_गेम्स और '
👉कैश फॉर वोट' घोटाले में समान रूप से भागीदार हैं।
इनके अलावा अनगिनत घोटाले हैं...

☝ अब आगे बढ़ते है
अन्ना,जब #केजरीवाल और #मनीष_सिसोदिया के पीछे की विदेशी फंडिंग और उनकी छुपी हुई मंशा से परिचित

हुए तो इसी वजह से वह अलग हो गए,
☝ लेकिन तब तक इसी अन्ना के कंधे पर पैर रखकर केजरी ने अपनी "आम आदमी पार्टी" खड़ा करने में सफल रहा😠

☝ "जनलोकपाल आंदोलन" के पीछे 'फोर्ड फाउंडेशन' के फंड को लेकर जब सवाल उठने लगा तो केजरी-मनीष के आग्रह व न्यूयॉर्क स्थित अपने मुख्यालय के आदेश पर ही

फोर्ड फाउंडेशन ने अपनी वेबसाइट से"#कबीर"व उसकी #फंडिंग कापूरा ब्यौरा ही हटा दिया😠

☝ लेकिन उससे पहले अन्ना आंदोलन के दौरान #31अगस्त2011 में ही #फोर्ड के प्रतिनिधि #स्टीवेन_सॉलनिक ने "#बिजनस_स्टैंडर"अखबार में एक साक्षात्कार दिया था,जिसमें यह #कबूल किया गया था कि फोर्ड फाउंडेशन ने

"कबीर' को दो बार में 3 लाख 69 हजार डॉलर की फंडिंग की है।
☝ #स्टीवेन_सॉलनिक के इस साक्षात्कार के कारण यह मामला पूरी तरह से दबने से बच गया और #केजरीवाल का असली चेहरा कम संख्या में ही सही,लेकिन लोगों के सामने आ गया।
☝ सूचना के मुताबिक अमेरिका की एक अन्य संस्था '#आवाज' की ओर से भी

👉केजरीवाल को जनलोकपाल आंदोलन के लिए फंड उपलब्ध कराया गया था और इसी '#आवाज' ने #दिल्ली_विधानसभा" चुनाव में लड़ने के लिए भी केजरीवाल की 'आम आदमी पार्टी' को फंड उपलब्ध कराया था।
👉सीरिया,इजिप्ट,लीबिया आदि देश में सरकार को अस्थिर करने के लिए अमेरिका की इसी '#आवाज' संस्था ने वहां के

एनजीओ,ट्रस्ट व बुद्धिजीवियों को जमकर फंडिंग की थी

☝ इससे इस विवाद को बल मिलता है कि अमेरिका के हित में हर देश की पॉलिसी को प्रभावित करने के लिए अमेरिकी संस्था

ाजस ंफाडग का खल ंखल खलता आइ ह
भारत में #काँग्रेस के सहयोग से केजरीवाल,मनीष सिसोदिया और'आम आदमी पार्टी'उसी की देन है

वकील एम.एल.शर्मा ने बताया था कि "#फॉरेन_कंट्रीब्यूशन_रेगुलेशन_एक्ट-2010"के मुताबिक विदेशी धन पाने के लिए भारत सरकार की अनुमति लेना आवश्यक है।
यही नहीं,उस राशि को खर्च करने के लिए निर्धारित मानकों का पालन करना भी जरूरी है।

कोई भी विदेशी देश चुनावी चंदे या फंड के जरिए हमारे भारत

देश की संप्रभुता व राजनैतिक गतिविधियों को प्रभावित नहीं कर सके,इसलिए यह कानूनी प्रावधान किया गया था...
☝ लेकिन केजरीवाल व इसकी टीम ने इसका पूरी तरह से उल्लंघन किया है।😠
👉बाबा रामदेव के खिलाफ एक ही दिन में 80 से अधिक मुकदमे दर्ज करने वाली कांग्रेस सरकार की उदासीनता दर्शाती है कि

👉केजरीवाल को वह अपने राजनैतिक फायदे के लिए प्रोत्साहित कर रही थी।

👉अमेरिकी'#कल्चरल_कोल्ड_वार'का हथियार केजरीवाल👈

फंडिंग के जरिए पूरी दुनिया में राजनैतिक अस्थिरता पैदा करने की अमेरिका व उसकी खुफिया एजेंसी 'CIA'की नीति को'कल्चरल कोल्ड वार'का नाम दिया गया है।
इसमें किसी देश की

राजनीति,संस्कृति व उसके लोकतंत्र को अपने वित्त व पुरस्कार पोषित समूह,एनजीओ,ट्रस्ट, सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि,मीडिया और वामपंथी बुद्धिजीवियों के जरिए पूरी तरह से प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है।

☝ केजरीवाल ने '#सेक्यूलरिज्म😠' के नाम पर इसकी पहली #झलक अन्ना के मंच से

हमारी"भारत माता"की #तस्वीर को हटाकर दे दिया था।😠

☝ क्योंकि हमारे इस देश में "भारत माता" के #अपमान😠को "सेक्यूलरिज्म का फैशनेबल बुर्का"समझा जाता है😠
👉इसलिए वामपंथी बुद्धिजीवी व मीडिया बिरादरी इसे केजरीवाल की धर्मनिरपेक्षता साबित करने में सफल रही थी😠

एक बार जो धर्मनिरपेक्षता

का गंदा खेल शुरू हुआ तो फिर चल निकला और 'आम आदमी पार्टी' का नेता #प्रशांत_भूषण ने तत्काल #कश्मीर में जनमत संग्रह

कराने का सुझाव दे दिया।😠
प्रशांत भूषण यहीं नहीं रुका था,इसने तो #संसद हमले के मुख्य दोषी #अफजल_गुरु😠की फांसी का विरोध करते हुए यह तक कह दिया था कि इससे भारत का असली

चेहरा उजागर हो गया है😠 जैसे ये $%^&% खुद भारत का नहीं,बल्कि किसी दूसरे देश का नागरिक हो ❓ 😠😠

@Prashant Bhushan 🐕
👉#प्रशांत_भूषण लगातार भारत विरोधी बयान देते चला गया और आज भी देता है😠 और #FakeTRP😠 की भूखी मीडिया व #वामपंथी😠बुद्धिजीवी "आम आदमी पार्टी" को 'क्रांतिकारी सेक्यूलर दल'

के रूप में प्रचारित करने लगे।😠

👉इस "प्रशांत भूषण"को हौसला मिला और इसने केंद्र सरकार से कश्मीर में लागू "एएफएसपीए कानून" को हटाने की मांग करते हुए कह दिया कि सेना ने कश्मीरियों को इस कानून के जरिए दबा रखा है।
इसके उलट हमारी सेना यह कह चुकी है कि यदि इस कानून को हटाया जाता है तो

अलगाववादी कश्मीर में हावी हो जाएंगे।

☝ अमेरिका का हित इसमें ये है कि #कश्मीर अस्थिर रहे या पूरी तरह से पाकिस्तान के पाले में चला जाए ताकि #अमेरिका यहां अपना"सैन्य व निगरानी केंद्र'स्थापित कर सके।
☝ यहां से दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण-पूर्वी एशिया व चीन पर नजर रखने में उसे आसानी होगी।

👉प्रशांत भूषण ने अपनी "झूठी मानवाधिकारवादी छवि"व वकालत के जरिए इसकी #कोशिश पहले से ही करता रहा है और अब जब 'अपनी राजनैतिक पार्टी' हो गई है तो वह इसे राजनैतिक रूप से अंजाम देने में आजतक जुटा हुआ है।😠

☝ यह एक तरह से 'लिटमस टेस्ट'था,जिसके जरिए "आम आदमी पार्टी" 'ईमानदारी😠' और

‘छद्म धर्मनिरपेक्षता’ का ‘कॉकटेल’ तैयार कर रही थी।😠😠😠

☝ 8 दिसंबर 2013 को दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 28 सीटें जीतने के बाद अपनी सरकार बनाने के लिए

केजरीवाल व उनकी पार्टी द्वारा आम जनता को अधिकार देने के नाम पर जनमत संग्रह का जो नाटक खेला गया, वह काफी हद तक

इस ‘कॉकटेल’ का ही परीक्षण है।😠
☝ सवाल उठने लगा कि यदि देश में "आम आदमी पार्टी" की सरकार बन जाए और वह कश्मीर में जनमत संग्रह कराते हुए उसे पाकिस्तान के पक्ष में बता दे तो फिर क्या होगा?

☝ आखिर जनमत संग्रह के नाम पर उनके ‘एसएमएस कैंपेन’ की पारदर्शिता ही कितनी है?

अन्ना हजारे भी

👉एसएमएस कार्ड के नाम पर केजरीवाल व इसकी पार्टी के द्वारा की गई #धोखाधड़ी का मामला उठा चुके हैं।
दिल्ली के पटियाला हाउस अदालत में अन्ना व अरविंद को पक्षकार बनाते हुए एसएमएस कार्ड के नाम पर 100 करोड़ के घोटाले का एक मुकदमा दर्ज है।

इस पर अन्ना ने कहा, “मैं इससे दुखी हूं,
👇👇👇

क्योंकि मेरे नाम पर अरविंद के द्वारा किए गए इस कार्य का कुछ भी पता नहीं है और मुझे अदालत में घसीट दिया गया है, जो मेरे लिए बेहद शर्म की बात है।”

👉प्रशांत भूषण,अरविंद केजरीवाल,मनीष सिसोदिया और उनके ‘पंजीकृत आम आदमी’ ने जब देखा कि ‘भारत माता’ के अपमान व कश्मीर को भारत से

अलग करने जैसे वक्तव्य पर"मीडिया-बुद्धिजीवी समर्थन का खेल’शुरू हो चुका है तो इन्होंने अपनी ईमानदारी की चासनी में"कांग्रेस के छद्म सेक्यूलरवाद"को मिला लिया😠

#काँग्रेस से भी ज्यादा देशद्रोही पार्टी भारत में जन्म ले चुकी है सिर्फ नाम बदल गया
☝ काँग्रेस तो खत्म होगी लेकिन"आप पार्टी"

के रूप में हमेशा अपराधों और भ्रष्टाचार के लिए खड़ी रहेगी😠
☝ अगर आज आप लोग इस बात को छोटा समझ रहे हो तो इतना भी #याद रखना जब आप लोगों को इस बात की अक्ल

आएगी, उस समय तो ये बहुत आगे निकल चुकी होगी

☝ जो पढ़े लिखे मूर्ख अपने आप को ज्यादा होशियार समझते हैं सबसे पहले तो वो समझें...

और वो सबसे केजरीवाल का सच जरूर जान ले
👉रॉ के पूर्व अधिकारी आरएसएन सिंह का सबसे बड़ा ख़ुलासा, देश के दुश्मनों से तार मिले हैं केजरीवाल के.
नरेंद्र मोदीजी के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए फेंका गया '#आखिरी_पत्ता' हैं अरविंद👈

click On Link For Video 👇👇👇
youtu.be/02DH_Y94M0E

दरअसल विदेश में अमेरिका, सउदी अरब व पाकिस्तान और भारत में कांग्रेस व क्षेत्रीय पाटियों की पूरी कोशिश मोदीजी के बढ़ते प्रभाव को रोकने की ही है।

☝ मोदीजी न अमेरिका के हित में हैं,न सउदी अरब व पाकिस्तान के हित में और न ही कांग्रेस पार्टी व धर्मनिरेपक्षता का ढोंग करने वाली

क्षेत्रीय पार्टियों के हित में।

☝ #मोदीजी❤️ के आते ही अमेरिका की एशिया केंद्रित पूरी विदेश,आर्थिक व रक्षा नीति तो प्रभावित होगी ही

👉देश के अंदर लूट मचाने में दशकों से जुटी हुई पार्टियों व नेताओं के लिए भी जेल यात्रा का माहौल बन जाएगा।
इसलिए उसी भ्रष्टाचार को रोकने के नाम पर

जनता का भावनात्मक दोहन करते हुए ईमानदारी की स्वनिर्मित धरातल पर 'आम आदमी पार्टी' का निर्माण कराया गया है।😠

👉दिल्ली में भ्रष्टाचार और कुशासन में फंसी कांग्रेस की मुख्यमंत्री #शीला_दीक्षित की 15 वर्षीय सत्ता के विरोध में उत्पन्न लहर को #भाजपा के पास सीधे जाने से रोककर और फिर

उसी कांग्रेस पार्टी के सहयोग से 'आम आदमी पार्टी' की सरकार बनाने का #ड्रामा रचकर अरविंद केजरीवाल ने #भाजपा को रोकने की अपनी #क्षमता को दर्शा दिया है😠

@Kapil Sibal 🐕
☝ अरविंद केजरीवाल द्वारा सरकार बनाने की हामी भरते ही केंद्रीय मंत्री #कपिल_सिब्बल ने कहा था कि, "भाजपा के पास

32 सीटें थी, ☝ लेकिन वो बहुमत के लिए 4 सीटों का जुगाड़ नहीं कर पाई। हमारे पास केवल 8 सीटें थीं, लेकिन हमने 28 सीटों का जुगाड़ कर लिया और सरकार भी बना ली।"😠😠😠

👉#कपिल_सिब्बल का यह बयान #भाजपा को रोकने के लिए अरविंद केजरीवाल और इसकी 'आम आदमी पार्टी'को खड़ा करने में कांग्रेस की

छुपी हुई भूमिका को उजागर कर देता है।👈

☝ वैसे भी "अरविंद केजरीवाल"और "शीला दीक्षित"का बेटा"संदीप दीक्षित"एनजीओ के लिए साथ काम कर चुका है।
👉 तभी तो दिसंबर-2011 में अन्ना आंदोलन को समाप्त कराने की जिम्मेवारी यूपीए सरकार ने #संदीप_दीक्षित को ही सौंपी थी।
👈

'फोर्ड फाउंडेशन' ने

केजरी व मनीष सिसोदिया के एनजीओ को 3 लाख 69 हजार डॉलर तो #संदीप_दीक्षित के एनजीओ को 6 लाख 50 हजार डॉलर का फंड उपलब्ध कराया।

☝ अगर आपको याद हो तो शुरू-शुरू में अरविंद केजरीवाल को कुछ मीडिया हाउस ने "शीला-संदीप"का"ब्रेन चाइल्ड" बताया भी था,
☝ लेकिन यूपीए सरकार का इशारा पाते ही इस

पूरे मामले पर #खामोशी अख्तियार कर ली गई।😠😠😠

☝ 'आम आदमी पार्टी' इसका प्रमुख नेता "अरविंद केजरीवाल"की पूरी मंशा को इस पार्टी के संस्थापक सदस्य व #प्रशांत_भूषण

के पिता #शांति_भूषण ने "मेल टुडे" अखबार में लिखे अपने एक #लेख में जाहिर भी कर दिया था,

☝️ लेकिन बाद में "प्रशांत-अरविंद" के दबाव के कारण उन्होंने भी अपने ही लेख से पल्ला झाड़ लिया था😠😠😠और 'मेल टुडे' अखबार के खिलाफ मुकदमा कर दिया था...😠😠😠

Please Listen:-👇👇👇
youtu.be/yPgelqWrQDc

indianexpress.com/article/explai...

Badal Saraswat

@badal_saraswat

झूठी शान के परिंदे ही ज्यादा फड़फड़ाते हैं बाज़ की उडान में आवाज़ नहीं होती तजुर्बों ने सिखाया है शेरो को शिकार करना यूं बेवजह दहाड़ मारकर शिकार किया नहीं जाता..

Follow on Twitter